

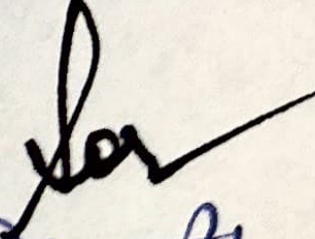
होने से
को पेश है।

आशा से

७
रीडर

30.4.25

पत्रावली पेश हुई। ~~कतु~~ जहाँ कश्चित्ता उपस्थित है।
प्रकरण का मूल वाड लीखा होने के इसके सब को अर्थवादी शेष
नहीं रखी है। अर्थार्थ पर इतनी तरह पर खारिज किया जाता
है। निर्दिष्ट होइएलाल पुलाग जाया प्रकरण फलल शुका होकर नभर
स चम हो।


(सिद्धि शुभादी)
2025